मूल हिन्दी

भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 895

06 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

पीएमएवाई का आकलन

895. श्री सी.आर. पाटिलः
श्री पी.सी. गद्दीगौदरः
श्री रामदास तडसः
श्री सी.पी. जोशीः

क्या **आवासन और शहरी कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने शहरी गरीबों के लिए एक करोड़ से अधिक आवासों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और अब तक राज्य-वार निर्माण किए गए आवासों की संख्या का ब्यौरा क्या है और इसका लागत मूल्य कितना है;

(ग) क्या लक्ष्य में कोई कमी आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (घ) : वर्ष 2022 तक "सबके लिए आवास" के सरकार के लक्ष्य के अनुसरण में, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय शहरी क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय वर्ग (एलआईजी) और मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) श्रेणियों से संबंधित लोगों की आवासीय आवश्यकता के समाधान के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान करने के लिए 25.06.2015 से प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) का कार्यान्वयन कर रहा है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने आवास की वास्तविक मांग का आकलन करने के लिए स्कीम के अंतर्गत मांग सर्वेक्षण करवाया है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अब तक सूचित की गई वैध मांग लगभग 112 लाख है।

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से अब तक प्राप्त परियोजना प्रस्तावों के आधार पर स्कीम के अंतर्गत कुल 1,03,22,560 आवास संस्वीकृत किए गए हैं; इसमें से 60,50,991 निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं और 32,07,573 पूरे कर लिए गए हैं/सौंप दिए गए हैं। संस्वीकृत किए गए, निर्माणाधीन एवं पूरे किए गए/सौंपे गए आवासों का पूरे किए गए आवासों की लागत सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से मार्च, 2020 तक संस्वीकृत उनकी सभी शेष मांग के लिए परियोजना प्रस्ताव प्राप्त करने हेतु अनुरोध किया गया है ताकि 2022 तक सभी आवासों का निर्माण कार्य उत्तरोत्तर रूप से पूरा किया जा सके।

*****

06.02.2020 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 895 के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पीएमएवाई(यू) के अंतर्गत पूरे किए गए आवासों एवं पूरे किए गए आवासों की लागत सहित आवासों के निर्माण की प्रगति का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	आवासों का निर्माण (संख्या)			पूरे किए गए आवासों की लागत (करोड़ रुपये में)
		संस्वीकृत	निर्माणाधीन	पूरे किए गए	
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
1	अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह (यूटी)	612	36	20	1.38
2	आंध्र प्रदेश	20,07,430	7,56,386	3,25,287	20,809.23
3	अरुणाचल प्रदेश	7,230	7,001	1,829	103.87
4	असम	1,17,493	53,132	17,801	623.77
5	बिहार	3,13,039	1,52,652	67,641	3,483.69
6	चंडीगढ़ (यूटी)	436	5,396	5,396	291.21
7	छत्तीसगढ़	2,55,011	1,92,563	82,842	3,284.15
8	दादरा और नगर हवेली (यूटी)	4,333	4,200	2,225	209.08
9	दमन और दीव (यूटी)	1,236	882	761	54.08
10	दिल्ली (यूटी)	17,303	57,883	41,283	4,473.51
11	गोवा	855	797	796	167.74
12	गुजरात	6,44,446	5,40,988	3,75,060	36,593.00
13	हरियाणा	2,67,727	45,383	21,352	2,692.56
14	हिमाचल प्रदेश	9,986	7,590	3,609	208.54
15	जम्मू और कश्मीर	54,615	26,677	6,569	322.79
16	झारखंड	1,98,751	1,35,156	76,865	3,389.65
17	कर्नाटक	6,52,455	3,57,961	1,65,422	13,444.85
18	केरल	1,29,555	1,01,324	71,839	2,974.30

19	लद्दाख (यूटी)	1,777	855	370	16.75
20	लक्षद्वीप (यूटी)	-	-	-	-
21	मध्य प्रदेश	7,84,976	5,73,980	3,16,109	15,933.55
22	महाराष्ट्र	11,77,084	4,74,017	2,78,233	39,829.71
23	मणिपुर	42,825	28,001	3,841	101.95
24	मेघालय	4,692	1,592	1,014	55.57
25	मिजोरम	30,357	10,939	3,078	123.60
26	नागालैंड	32,001	20,789	4,119	142.26
27	ओडिशा	1,54,073	1,00,242	67,577	2,490.70
28	पुदुचेरी (यूटी)	13,419	9,708	3,003	181.21
29	पंजाब	90,631	46,651	22,604	1,982.99
30	राजस्थान	2,00,530	1,10,673	77,107	5,766.99
31	सिक्किम	537	509	244	39.82
32	तमिलनाडु	7,68,938	5,77,435	2,89,867	15,549.08
33	तेलंगाना	2,16,860	1,85,108	99,456	10,573.86
34	त्रिपुरा	82,088	52,508	41,185	1,179.51
35	उत्तर प्रदेश	15,74,070	9,71,886	4,33,082	21,954.64
36	उत्तराखंड	39,880	19,805	13,321	1,059.95
37	पश्चिम बंगाल	4,11,344	3,22,567	1,89,047	9,921.90
कुल *		**103,22,560^**	**60,50,991***	**32,07,573***	**2,33,965.24**

* *97,719* आवासों का अधिग्रहण शामिल है जिनके लिए सीएनए को हाल ही में 2288.89 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

^ 13,9656 अतिरिक्त आवास शामिल हैं जिनके लिए सीएनए को धनराशि वितरित कर दी गई है।

*****